स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

रेड पांडा (*एलुरस फलगेंस*) एक स्तनपायी है जो घरेलू बिल्ली से थोड़ा बड़ा होता है। यह लाल भूरे रंग के फर से ढंका और झबरीली पूंछ वाला आकर्षक जीव है।

मुख्यतया बांस खाने वाला यह जीव वास्तव में सर्वभक्षी है जो छोटे जीवों और जीवों के अंडे भी खा लेता है। शीतोष्ण वन इसका निवास है। मूल रूप से हिमालय के नेपाल, भारत, चीन, भूटान और म्यांमार वाले हिस्से में पाया जाता है।

विश्व भर में इनकी संख्या 11,000 से 20,000 के बीच है। रेड पांडा को 2009 में अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) की रेड लिस्ट में शामिल किया गया जिसका मतलब होता है कि इस प्रजाति पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है।

इन पर यह खतरा सीधे-सीधे शिकार के अलावा जंगलों के विनाश और पालतू पशुओं से प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुआ है। भारत में जंगलों के विनाश से इनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो गए और साथ ही अवैध शिकार ने इन पर संकट खड़ा कर दिया है। वर्ष 2001 के सर्वे के अनुसार भारत में इनकी संख्या 5-6 हज़ार के बीच थी जो लगातार घट रही थी।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी